

# कार्यालय उप वन संरक्षक, बाघ परियोजना सरिस्का

क्रमांक / १२५७४

दिनांक ३/९/११



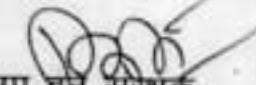
—: अधिकार पत्र :—

बाघ परियोजना सरिस्का में बसे गांव/गुवाड़ों के विस्थापन एवं पुनर्वास के लिये मौजपुर लंघ, तहो लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर में १८१.९७ हैक्टो आरक्षित वन भूमि (राजस्व खसरा नं० ४, ५, ६, ७, ८, ९) चिन्हित की जाकर भारत सरकार के पत्र क्रमांक एफ ८-१४१/२००६-एफसी दि० २९.०४.०८ से उक्त प्रयोजनार्थ उपयोग हेतु अन्तिम स्वीकृति प्राप्त हुई है। विस्थापन के संबंध में राज्य सरकार के आदेश क्रमांक एफ-११(२) वन/९९ दिनांक ०२.११.०२ एवं भारत सरकार के पत्र दिनांक २९.०४.०८ द्वारा जारी दिशा निर्देश एवं जिला विस्थापन समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों की पालना करते हुये श्री सुलान पुत्र ख्याली गूर्जर के गांव उमरी से विस्थापित होने की एवज में मौजपुर लंघ तहसील लक्ष्मणगढ़ में ६०'x ९०' = ५४०० sq.ft. का आवास के लिए आवासीय भूखण्ड व ६ बीघा भूमि कृषि कार्य हेतु आवंटित की जाती है। जिसका आवास भूखण्ड मय कृषि भूखण्ड सं० २७ है। उक्त भूमि का मानचित्र एवं माप पुष्ट पर अंकित है। मानचित्र अनुसार सीमा विवरण निम्नानुसार है:-



उत्तरी सीमा AB	— १५९.४० मीटर	सीमा से लगता हुआ	रोड
पश्चिमी सीमा BC	— ९७.३७ मीटर	सीमा से लगता हुआ भूखण्ड सं०	सड़क / ३१
दक्षिणी सीमा CD	— १६४.४० मीटर	सीमा से लगता हुआ भूखण्ड सं०	२१
पूर्वी सीमा DA	— ४५.७४+५१.८३ भी.	सीमा से लगता हुआ	२८, २९
उक्त आवंटन निम्न शर्ताधीन किया जाता है:-			

- इस वन भूमि को आवंटी स्वयं व परिवार के निवास एवं कृषि कार्य एवं पशुओं के लिये चारा उगाने के लिये ही उपयोग में ले सकेंगे। इस भूमि को उक्त कार्य हेतु आवंटी को निरस्तर उपयोग में लेने की अनुमति रहेगी। आवंटी के स्वयं के द्वारा ही कृषि कार्य करना अनिवार्य होगा।
- उक्त भूमि पर सिचाई हेतु कुआ, टैक के अतिरिक्त अन्य स्थाई ढांचा नहीं बनाया जायेगा।
- इस भूमि का पिक्रय नहीं किया जा सकेगा। यह भूमि उत्तराधिकार के द्वारा ही हस्तान्तरित होगी।
- उक्त शर्तों का उल्लंघन करने पर आवंटन निरस्त करने का अधिकार अध्योहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा।

  
 उप वन संरक्षक  
 बाघ परियोजना सरिस्का